जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 26 संख्याः 292 प्रभात अजमेर, सोमवार 23 मई, 2022 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

एक समय इन्हें ''एमेज़ॉन्स ऑफ वर्ल्ड हिस्ट्री'' कहा जाता था। ऐसी उग्र महिलाओं का एक गोपनीय ग्रुप सायैम (आज का थाइलैण्ड) के साम्राज्य में बेहद शक्तिशाली था। ये महिलाएं किंग ऑफ सायैम की बॉडी गाड्‌र्स थीं। सन्‌ 1688 में, किराए के 600 यूरोपीय सैनिकों तथा ईसाई समुराई फौज के स्थान पर इस समूह ने कमान संभाली थी और इस समूह के सदस्यों की जिम्मेवारी थी, राजपरिवार तथा पैलेस ग्राउण्ड्‌स की सुरक्षा सुनिश्चित करना। द एन्सायक्लोपीडिया ऑफ एमेज़ॉन्स (वीरांगनाएं) की लेखक, जैसिका सामनसन इन्हें, सायैम की ''बैस्ट ट्रेन्ड फोर्स'' कहती हैं। ''क्रोम क्लोन'' नाम के इस समूह में 400 महिलाएं थीं। इन्हें, सौ-सौ गाड्‌र्स की चार बटालियन में बांटा गया था। बटालियन की कैप्टन भी महिला ही होती थी। कैप्टन बदलने का काम राजा चुलालोंगकोर्न स्वयं देखते थे। तेरह वर्ष की उम्र में, समूह में दाखिल होकर, 25 वर्ष की उम्र तक ये महिलाएं सेना में भर्ती हो जाती थीं। उसके बाद वो रॉयल गार्ड का हिस्सा बन जाती थीं। पैलेस में प्रवेश करने के बाद इन महिलाओं को ''सतीत्व'' का प्रण लेना होता था। इस शर्त से निकलने का कोई रास्ता नहीं था। अब अगर राजा का दिल किसी महिला गार्ड पर आ जाए, तो बात अलग थी। इस ग्रुप की हर सदस्य को खूबसूरत तथा बलवान होना ज़रुरी था। चयन के बाद ये अति उत्कृष्ट यूनिफॉर्म में राजमहल में घूमती नज़र आती थीं। घुटनों तक लंबी ऊँनी पोशाक, जिस पर सुनहरे धागे से कढ़ाई की हुई होती थी तथा सोने का मुलम्मा चढ़ा हुआ शिरस्राण इनका पहनावा था। राज्य समारोहों के समय हथियार के रुप में ये बरछा-बल्लम लेती थीं। अन्यथा, हर समय इनके हाथों में बंदूक होती थी, जिसे चलाने के लिए इन्हें विशेष प्रशिक्षण दिया जाता था और इनके कौशल असाधारण होते थे। सप्ताह में दो बार इन्हें प्रशिक्षण दिया जाता था। राजा और उनका भाई महीने में एक बार व्यक्तिगत रुप से इस प्रशिक्षण सत्र का निरीक्षण करते थे। सायैम का राजा अपनी महिला बॉडीगाड्‌र्स के बिना कहीं नहीं जाता था। सभी वीरांगनाओं का एक ही लक्ष्य व कर्तव्य था - रक्षा। इसलिए, हर महिला गार्ड के लिए पांच महिलाएं नियुक्त की जाती थीं जो उनके घर का कामकाज संभालती थीं। किसी भी तरह की कोई और ड्यूटी नहीं होने के कारण ये वीरांगनाएं ''गार्ड व रक्षक'' के अपने कर्तव्य पर पूरा फोकस रखती थीं। उन्नीसवीं सदी में भर्ती होने वालों की संख्या कम होती गई इसलिए इस समूह को भंग कर दिया गया।

दक्षिण कोरिया को क्वाड में शामिल करने पर विचार नहीं कर रहा अमेरिका

दूसरी तरफ दक्षिण कोरिया क्वाड में शामिल होने के लिए जोरदार प्रयास में लगा हुआ है

- **यदि कोरिया क्वाड में शामिल होता है तो इससे भारत को नुकसान होने की आशंका जताई जा रही थी।**
- **गौरतलब है कि, 24 मई से क्वाड की मीटिंग शुरु हो रही है और प्रधानमंत्री मोदी इसमें शामिल होने के लिए जापान रवाना हो चुके हैं।**

वाशिंगटन, 22 मई (वार्ता)। अमेरिका, दक्षिण कोरिया को क्वाड सुरक्षा मंच में शामिल करने पर विचार नहीं कर रहा है, जिसे चीन का मुकाबला करने के लिए साझेदारी के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

अमेरिकी अधिकारी ने राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ सियोल में अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान यह टिप्पणी की, जिसके बाद मंगलवार को होने वाले चतुर्भुज सुरक्षा वार्ता (क्वाड) के शिखर सम्मेलन के लिए टोक्यो की यात्रा पर जाएंगे। क्वाड चार सदस्यीय साझेदारी है, जिसमें अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और भारत शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जेई इन ने अपने चुनाव अभियान के दौरान दक्षिण कोरिया और क्वाड के बीच सहयोग का धीरे-धीरे विस्तार करने के लिए क्वाड के विभिन्न कार्य समूहों जैसे जलवायु परिवर्तन और प्रौद्योगिकियों में भाग लेने का वादा किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका, आस्ट्रेलिया, भारत और जापान के चतुष्कोणीय गठजोड़ क्वॉड की बैठक के लिए जापान की यात्रा को मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम के हिन्द प्रशांत क्षेत्र पर प्रभाव को लेकर विचार विमर्श का अवसर करार दिया है।

मोदी ने यात्रा के पूर्व अपने वक्तव्य में कहा, मैं जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के आमंत्रण पर 23-24 मई, 2022 तक जापान की राजधानी टोक्यो का दौरा करूंगा।

उन्होंने कहा कि बीते मार्च में उन्हें 14वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए जापानी प्रधानमंत्री किशिदा की आवभगत का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। वह टोक्यो की अपनी यात्रा के दौरान, भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से हमारे संवाद को आगे बढ़ाये जाने के लिए उत्सुक हैं।

मोदी ने कहा, जापान में, मैं सेकेंड इन-पर्सन क्वाड नेता सम्मेलन में भी भाग लूंगा, जो चार क्वाड देशों के नेताओं को क्वाड पहलों की प्रगति की समीक्षा करने का अवसर उपलब्ध कराएगा। हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र के घटनाक्रमों तथा परस्पर हित के वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान करेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह अमेरिका के राष्ट्रपति जोसेफ बिडेन के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे, जहां हम अमेरिका के साथ अपने विभिन्न पहलुओं वाले द्विपक्षीय संबंधों को और सुदृढ़ बनाने पर चर्चा करेंगे। हम क्षेत्रीय विकास और समसामयिक वैश्विक मुद्दों पर भी अपना संवाद जारी रखेंगे।

उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलिया के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज पहली बार क्वाड लीडर्स सम्मेलन में शामिल होंगे। मैं उनके साथ एक द्विपक्षीय बैठक करने के लिए उत्सुक हूं जिस दौरान व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बहुआयामी सहयोग तथा क्षेत्रीय और पारस्परिक हितों के वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

उन्होंने कहा कि भारत और जापान के बीच आर्थिक सहयोग हमारी विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी का एक महत्वपूर्ण पहलू है। उन्होंने कहा,मार्च शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री किशिदा और मैंने जापान से भारत में अगले पांच वर्षों में सार्वजनिक और निजी निवेश तथा वित्तपोषण में 5000 अरब जापानी येन प्राप्त करने के अपने इरादे की घोषणा की थी। आगामी यात्रा के दौरान, मैं इस लक्ष्य के अनुसरण में हमारे देशों के बीच आर्थिक संबंधों को और सुदृढ़ बनाने के ध्येय के साथ जापान के व्यापार जगत के शीर्ष व्यक्तियों के साथ मुलाकात करूंगा।

मोदी ने कहा कि जापान में भारतीय समुदाय के लगभग 40 हजार सदस्य हैं, जो जापान के साथ हमारे संबंधों में एक महत्वपूर्ण आधार हैं। वह उनके साथ बातचीत करने के लिए उत्सुक हैं।

सऊदी अरब में 25 भारतीय नागरिकों सहित कुल 35 लोगों को बंधक बनाया

राजस्थान निवासी एक भारतीय नागरिक की हालत गंभीर, भोजन पानी के लिए भी तरसे

- **कांग्रेस नेता चर्मेश शर्मा ने राष्ट्रपति सचिवालय में याचिका दायर कर जीवन बचाने की गुहार लगाई।**

बूंदी, 22 मई। सऊदी अरब के यंबू शहर में 25 भारतीय नागरिकों सहित कुल 35 लोगों को बंधक बनाने का मामला सामने आया है। इनमें से राजस्थान के टोंक जिले के निवासी सोहनलाल बैरवा की स्थिति गंभीर बनी हुयी है। सोहनलाल का पासपोर्ट नम्बर 5850453 है। बंधक बनाने के बाद सोहनलाल की तबियत बिगड़ गयी लेकिन निर्दयतापूर्वक कई दिनों तक सोहनलाल का इलाज नहीं करवाया गया। बहुत ज्यादा स्थिति बिगड़ने के बाद अब सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाकर भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है। वह गंभीर स्थिति में सउदी अरब के यंबू के सरकारी चिकित्सालय में भर्ती है। जहां पर उसे समुचित इलाज और दवाइयां भी नहीं मिल पा रही है।

विदेश में संकटग्रस्त भारतीयों की सहायता के लिए कार्य करने वाले बूंदी राजस्थान के कांग्रेस नेता चर्मेश शर्मा ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नाम राष्ट्रपति सचिवालय में याचिका दायर कर और विदेश मंत्रालय में विदेश मंत्री एस. जयशंकर के नाम अधिकृत शिकायत दर्ज करवाकर केन्द्र सरकार से सभी भारतीय नागरिकों की तत्काल शीघ्र सकुशल भारत वापसी करवाने और राजस्थान के निवासी बीमार सोहनलाल का जीवन बचाने की मांग की है। शर्मा ने 25 भारतीय नागरिकों के साथ बंधक नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान व श्रीलंका के निवासी 10 अन्य नागरिकों की भी इनके मूल देश से समन्वय करते हुये मानवीय आधार पर सहायता करने की मांग रखी है।

विदेश से सैकड़ों संकटग्रस्त भारतीयों सकुशल वापसी करवा चुके कांग्रेस नेता चर्मेश शर्मा ने रविवार को सर्किट हाउस में पत्रकारों से वार्ता में बताया कि सऊदी अरब की अलजहरानी कंपनी ने इन सभी लोगों के वीजा रिनुअल नहीं करवाया और सभी का सऊदी अरब में रहने का वैध दस्तावेज इकामा समाप्त करवा दिया। कंपनी ने षडयंत्र पूर्वक इस तरह से 25 भारतीयों सहित इन सभी 35 लोगों को सउदी अरब में अवैध नागरिक बना दिया। अवैध नागरिक होने के बाद इन सभी से पिछले दो वर्ष से अधिक समय से बंधुआ मजदूर बनाकर काम करवाया जा रहा था। कुछ दिनों पहले इन्होंने वीजा रिनुअल करवाकर इकामा बनवाने व परिवार के पास स्वदेश भेजने की मांग रखी तो कंपनी ने इन सभी 35 लोगो को जबरन बंधक बना लिया। भारतीय नागरिकों में राजस्थान, बिहार,दिल्ली, उत्तरप्रदेश सहित कई प्रदेशों के रहने वाले शमशेर, रामप्रवेश, श्यामलाल, इमरान आदि शामिल हैं। कंपनी ने अभी भी इन सभी को बाहर कुछ भी बताने पर धमकी दे रखी है। जिससे कई लोग डरे हुये हैं।

बंधक बनाए गये लोगों में से राजस्थान के जयपुर जिले के निवासी एक श्रमिक सरफ़ुद्दीन ने पूर्व में सउदी अरब में बंधक बनाये गये और भारत लौट चुके राजस्थान के भरतपुर के श्रमिक विश्राम जाटव और बूंदी जिले के नैनवा निवासी अब्दुल गफ्फार को अपनी पीड़ा बतायी। जिसके बाद विश्राम जाटव व गफ्फार ने विदेश में संकटग्रस्त भारतीयों की सहायता के लिए कार्य करने वाले बूंदी के कांग्रेस नेता चर्मेश शर्मा को सारे घटनाक्रम से अवगत करवाया।

मुफ्त एनिमल एम्बुलैंस सर्विस

मेरठ, 22 मई (वार्ता)। पशुपालन डेयरी और मत्स्य पालन राज्य मंत्री संजीव कुमार बालियान ने रविवार को कहा कि किसानों के पशुओं को घर दरवाजे पर मुफ्त चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से देश भर में अगले माह से एंबुलेंस सुविधा शुरू की जाएगी।

बालियान ने हरित प्रदेश दुग्ध उत्पादक कंपनी का उद्घाटन करने के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पूरे देश में 4500 एंबुलेंस के माध्यम से यह सेवा शुरु की जाएगी। एंबुलेंस में एक चिकित्सक , एक फार्मासिस्ट और एक चालक होंगे। इस सेवा के माध्यम से पशुओं को किसानों के घर दरवाजे पर उपचार किया जाएगा और उसकी निगरानी भी की जाएगी।

- **केन्द्रीय मंत्री संजीव बलियान ने बताया कि, अगले माह से देश में पशुओं के लिये मुफ्त एंबलेंस सेवा शुरु की जायेगी।**

बालियान ने बताया कि एंबुलेंस सेवा के लिए राज्यो को धन उपलब्ध करा दिया गया है। एक एंबुलेंस के लिए 16 लाख रुपए आवंटित किए गए हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पैट्रोल-डीजल पर छोटी सी राहत देकर जनता को भ्रमित न करें मुख्यमंत्री'

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत बोले, ''राजस्थान में अब भी देश में सबसे महंगा तेल''

- **'केंद्र सरकार पर दोषारोपण कर अपने कर्तव्य से मुक्त होना चाहते हैं मुख्यमंत्री'।**

जयपुर/जोधपुर, 22 मई (का.सं.)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एक बार फिर पैट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधा। शेखावत ने कहा कि राजस्थान ऐसा प्रदेश है, जिसमें देश में सबसे महंगा पेट्रोल-डीजल मिलता है, लेकिन राज्य के मुखिया अपने गिरेबां में झांककर देखने के बजाय भारत सरकार पर दोषारोपण करते हुए अपने कर्तव्य से मुक्त होना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जनता मुख्यमंत्री की तरफ देख रही है। केवल छोटी सी राहत देकर जनता को भ्रमित करने के बजाय कुछ और अधिक बड़ा कर सकें, इस पर विचार करना चाहिए। रविवार को क्रीड़ा भारती जोधपुर प्रांत के कार्यक्रम से इतर मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि बढ़ती महंगाई के प्रति प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में काम करने वाली सरकार संवेदनशील है। पूरा देश यह जानता है। लंबे समय से विश्व स्तर पर पैट्रोल-डीजल के दामों में वृद्धि हो रही थी, जिसका भार जनता के ऊपर बढ़ रहा था। एक बार फिर मोदी सरकार ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए बहुत बड़ी कटौती सेंट्रल टैक्सेज में कर जनता को राहत प्रदान की है। करीब 9.50 रुपए पैट्रोल, 7 रुपए डीजल और गैस में 200 रुपए सब्सिडी का प्रावधान किया है।

उन्होंने कहा कि मुझे ऐसा बताया गया है कि राज्य सरकार ने भी सुबह 2.48 रुपए पैट्रोल और 1.07 रुपए डीजल पर कटौती करने की अपनी तरफ से घोषणा की है। छोटा सा उन्होंने प्रयास किया है, मैं उन्हें जनता की तरफ से धन्यवाद तो देता हूं, लेकिन यह अवश्य कहूंगा कि अभी भी राजस्थान के चारों तरफ जो प्रदेश हैं, उनमें यहां से सस्ती दर पर पैट्रोल-डीजल मिलता है। राजस्थान सरकार को एक बार फिर इस पर विचार करना चाहिए। शेखावत ने कहा कि जनता को राहत देने के लिए मैं प्रधानमंत्री का अभिनंदन करता हूं।

80 लाख रुपए के डोडा-पोस्त से भरा लावारिस ट्रक पकड़ा

नागौर, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने एन.एच.-89 पर गोगेलाव सरहद में रविवार को एक होटल पर लावारिस खडे नमक के कट्टों से भरे ट्रक में 80 लाख रुपए का अवैध डोडा पोस्त जब्त किया है। ट्रक में नमक के कट्टों के नीचे 2508 किलो अवैध डोडा-पोस्त छिपाकर भरा हुआ था। पूरी कार्रवाई सदर थानाधिकारी रूपाराम के नेतृत्व में डी.एस.टी. और सदर पुलिस टीम ने मिलकर गुप्त मुखबरी के आधार पर अंजाम दी। फिलहाल पुलिस ट्रक मालिक की तलाश कर रही है। वहीं ट्रक व माल को जब्त कर मामले की जांच भी शुरू कर दी गई है। नागौर सी.ओ. विनोद कुमार सीपा ने बताया कि रविवार देर रात को सदर पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान गुप्त जानकारी के आधार पर सदर थानाधिकारी रूपाराम के नेतृत्व में डी.एस.टी. और सदर पुलिस टीम ने गोगेलाव सरहद में होटल वीर तेजा के बाहर लावारिस खड़े एक ट्रक की तलाशी ली। तलाशी में पुलिस टीम को ट्रक में कुल 325 नमक के कट्टे मिले। जब इन

- **होटल पर खड़े ट्रक में नमक के कट्टों के नीचे छिपा हुआ था डोडा-पोस्त।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दलित युवक की हत्या कर शव सड़क पर फैंका

बीकानेर, 22 मई (नि.सं.)। जिले के श्रीडूंगरगढ़ में एक दलित युवक की बेरहमी से हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस को शक है कि युवक को मारकर सड़क पर फेंक दिया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस सक्रिय हुई। मौके पर पहुंची एफ.एस.एल. टीम ने भी कई महत्वपूर्ण सुराग जुटाने का प्रयास किया है। लाश पर चोट के कई निशान भी मिले हैं।

- **बीच सड़क पर पड़ी थी लाश, लाश पर चोट के कई निशान भी मिले।**
- **मौके पर पहुंची एफएसएल टीम ने महत्वपूर्ण सुराग जुटाये।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लेबर पार्टी के नेता एंथनी अल्बनीज ऑस्ट्रेलिया के नये प्रधानमंत्री होंगे

ऑस्ट्रेलिया में 2007 के बाद से लेबर पार्टी ने पहली चुनावी जीत हासिल की है

- **प्रधानमंत्री मोदी ने नये प्रधानमंत्री को जीत की बधाई दी।**
- **स्कॉट मॉरीसन अगले एक या दो दिन में प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देंगे।**

मेलबॉर्न, 22 मई। ऑस्ट्रेलिया के चुनावों में लेबर पार्टी के नेता एंथनी अल्बनीज ने जीत हासिल की है और वह अब ऑस्ट्रेलिया के नए पी.एम. होंगे। इस मौके पर पी.एम. मोदी ने उनको बधाई दी है। पी.एम. मोदी ने ट्वीट कर कहा, एंथनी अल्बनीज को ऑस्ट्रेलियाई लेबर पार्टी की जीत और प्रधानमंत्री के रूप में उनके चुनाव के लिए बधाई। मैं अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझा प्राथमिकताओं के लिए आपके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।

2007 के बाद से अल्बनीज की पार्टी ने पहली चुनावी जीत हासिल की साल 2007 के बाद से अल्बनीज की पार्टी ने पहली चुनावी जीत हासिल की है। वह जल्द ही पीएम पद की शपथ लेंगे। इस चुनाव में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन हार गए हैं। चुनाव नतीजों के सामने आने के बाद मॉरिसन ने कहा कि वे अपनी पार्टी की हार की जिम्मेदारी लेते हैं और वह लिबरल पार्टी के नेता के रूप में इस्तीफा देंगे। मॉरिसन ने ये भी कहा कि उन्हें अपनी पार्टी और देश का नेतृत्व करने का मौका मिला, इसके लिए वह सभी को धन्यवाद देते हैं। मैं पार्टी की अगली बैठक में अपना इस्तीफा दे दूंगा।

ऑस्ट्रेलिया में प्रधानमंत्री पद की रेस में 6 लोग उतरे थे। लेकिन मुख्य मुकाबला मॉरिसन और अल्बनीज के बीच ही था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया की लेबर पार्टी के नेता एंथनी अल्बनीज को उनकी पार्टी की चुनावी जीत पर बधाई दी।

मोदी ने ट्वीट कर कहा, ऑस्ट्रेलियाई लेबर पार्टी की जीत और प्रधानमंत्री के रूप में आपके चुनाव जीतने के लिए अल्बनीज बधाई। मैं हमारी समग्र रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझा प्राथमिकताओं पर आपके साथ काम करने को लेकर आशान्वित हूं। ऑस्ट्रेलिया के नए प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि वह जलवायु नीति में बड़े बदलाव के साथ देश को एक नई दिशा में ले जाएंगे।

उन्होंने कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया को अक्षय ऊर्जा महाशक्ति बनाना चाहते हैं। अल्बनीज़ को सोमवार को प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेनी है, लेकिन यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि उनकी पार्टी के पास संसद में अपेक्षित बहुमत होगा या नहीं।

पिछले कुछ वर्षों में कई प्राकृतिक आपदाओं से पीड़ित ऑस्ट्रेलियाई लोगों के लिए, इस चुनाव में जलवायु परिवर्तन एक प्रमुख विषय था। मतगणना अभी भी जारी है, और यह स्पष्ट नहीं है कि संसद के 151 सदस्यीय निचले सदन में बहुमत हासिल करने के लिए लेबर पार्टी को 76 सीटें मिल सकती हैं या नहीं। अंतिम परिणाम आने में अभी समय लग सकता है, क्योंकि चुनाव अधिकारियों ने अभी करीब 30 लाख डाक मतों की गिनती शुरू की है।